Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

दिल्ली- Delhi

सूर्योदय-सूर्यास्त पच्चक्खाण समयदर्शिका

संयोजक...

प.पू.शासनप्रभावक, स्वाध्यायप्रमी,
ज्ञानोपासक, तपागच्छाधिपति आ.श्री.
विजय रामसूरीश्वरजी म.सा. (डहेलावाला) के शिष्य
प.पू.आ.भ.श्रीमद् जगच्चन्द्रसूरीश्वरजी म.सा

सौजन्य...

अरविंदभाई रतिलाल शाह
मणिबेन छोटालाल मेहता
नयनाबेन रमेशभाई चोक्सी
रोहिणीबेन हलाजी कोठारी
शिल्पाबेन ललितभाई शाह

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

गुरुजी अमारो अंर्तनाद...
अमने आपो आशीर्वाद...

शिष्य बनाये बिना तो कई मोक्षमें गये है...
लेकीन शिष्य बने बिना एक भी नहीं...

आशिष आपो
गुरुवर अमारा

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Kalapurnasuriswarji Jain Tatvagyanshala

श्री महावीरस्वामी नमः

श्री गौतमस्वामी नमः

पूज्य गुरुभगवंत का शुभाशीर्वाद

शुभ आशिष....

परम तारक जगदुद्धारक चरम तीर्थपति शासन अधिपतिश्री महावीर स्वामी परमात्मा के निर्वाण कल्याणक से विख्यात हुए श्री दीपावली महापर्व और प्रथम गणधर श्री गौतमस्वामीजी महाराज को उत्पन्न केवलज्ञान की अनंत प्रभा से मंगलमय हुऐ "नूतन वर्ष" जगत के जीवमात्र को धर्माराधना द्वारा महामंगलकारी बने यह हार्दिक अभ्यर्थना...

विनयः - विणया नाणं, नाणाओ दंसणं दंसणाहि चरणं तु ।
चरणाहिंतो मोक्खो, मुक्खे सुक्खं अणाबाहं ॥ १ ॥

अर्थ : विनय से ज्ञान, ज्ञान से दर्शन, दर्शन से चारित्र और चारित्र से मोक्ष प्राप्त होता है और मोक्ष में अव्याबाध सुख होता है..।

-आ.वि. रामसूरि के धर्मलाभ...!

प्रेरक :

आ. वि. जगच्चन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. (डहेलावाळा)

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

पच्चक्खाण

सुबह का पच्चक्खाण

※ नवकारशी पच्चक्खाण ※

उग्गए सूरे नमुक्कारसहिअं, मुट्ठिसहिअं, पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), चउव्विहंपि आहारं, असणं, पाणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

※ पोरिसी-साड्ढपोरिसी-पुरिमड्ढ-अवड्ढ पच्चक्खाण ※

उग्गए सूरे नमुक्कारसहिअं, पोरिसिं, साड्ढपोरिसिं, सूरे उग्गअे पुरिमड्ढं, अवड्ढं, मुट्ठिसहिअं, पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), उग्गए सूरे चउव्विहंपि आहारं, असणं, पाणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

※ आयंबिल-नीवि-एकासणुं-बियासणुं पच्चक्खाण ※

उग्गए सूरे नमुक्कारसहिअं, पोरिसिं, साड्ढपोरिसिं, सूरे उग्गअे पुरिमड्ढं, अवड्ढं, मुट्ठिसहिअं, पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), उग्गए सूरे, चउव्विहंपि आहारं, असणं, पाणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, महत्तरागारेणं,सव्वसमाहिवत्तियागारेणं आयंबिलं निव्विगइयं, विगइयओ पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि) अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, लेवालेवेणं, गिहत्थसंसट्ठेण, उक्खित्तविवेगेणं,

www.jaintatvagyanshala.org

Acharya Vijay shri Subhashsuriswarji Jain Tatvagyanshala

पडुच्चमक्खिएणं, पारिट्ठावणीयागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, एकासणं, बियासणं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि) तिविहंपि आहारं, असणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, सागरियागारेणं, आउंटणपसारेणं, गुरुअब्भुट्ठाणेणं, पारिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, पाणस्स लेवेण वा अलेवेण वा अच्छेणवा बहुलेवेण वा ससित्थेण वा असित्थेण वा वोसिरइ (वोसिरामि).

※ चउविहार उपवासका पच्चक्खाण ※

सूरे उग्गए अब्भत्तट्ठं,पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), चउव्विहंपि आहारं, असणं, पाणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, पारिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि)

※ तिविहार उपवासका पच्चक्खाण ※

सूरे उग्गए अब्भत्तट्ठं,पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), तिविहंपि आहारं, असणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, पारिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं,सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, पाणहार, पोरिसी, साड्ढपोरिसी, सूरे उग्गए पुरिमड्ढ, अवड्ढ मुट्ठिसहिअं, पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, पाणस्स लेवेण वा अलेवेण वा अच्छेण वा बहुलेवेण वा ससित्थेण वा असित्थेण वा वोसिरइ (वोसिरामि).

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay Kalapurnasuri Gyanmandir Jain Tatvagyanshala

प्रातः के पच्चक्खाण

✻ पाणहार पच्चक्खाण ✻

पाणहार दिवसचरिमं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि) अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

✻ चउविहार ✻

दिवसचरिमं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), चउव्विहंपि आहारं, असणं, पाणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

✻ तिविहार पच्चक्खाण ✻

दिवसचरिमं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि), तिविहंपि आहारं, असणं, खाइमं, साइमं, अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहिवत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

✻ देशावगासिक पच्चक्खाण ✻

देसावगासियं, उवभोगं, परिभोगं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि) अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

✻ धारणा अभिग्रहं (बाधा)/मुट्ठिसहिअं अभिग्रह ✻

धारणा अभिग्रहं / मुट्ठिसहिअं पच्चक्खाइ (पच्चक्खामि) अन्नत्थणाभोगेणं, सहसागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं, वोसिरइ (वोसिरामि).

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

रात्रिभोजन का पाप कितना?

रात्रिभोजन वह पाप नहीं...परंतु महापाप है।

१६ भव तक कोइ माछीमार जीवो को सतत हणे उतना पाप एक सरोवर को सुखाने से होता है।

१०८ भव तक सरोवर सुखाने से जीतना पाप लगता है उतना पाप एक दावानळ जलाने से लगता है।

१०८ भव तक दावानळ जलाने से जीतना पाप लगता है उतना पाप एक कुवाणिज्य करने से होता है।

१४४ भव तक कुवाणिज्य करने से जीतना पाप लगता है उतना पाप एक बार जुठा आक्षेप करने से होता है।

५१ भव तक जुठा आक्षेप करने से जीतना पाप लगता है उतना पाप एक बार परस्त्रीगमन करने से होता है।

९९ भव तक परस्त्रीगमन करने से जीतना पाप लगता है उतना पाप एक बार रात्रिभोजन करने से होता है।

तो...यह रात्रिभोजन के महापाप को समज के यही क्षण उससे वापस होकर शुभ संकल्प करें...

रात्रिभोजन नरक का नेशनल हाई-वे है। नरक का प्रथम द्वार है और आरोग्यकी दृष्टि से अनेक रोगोका मूल भी है।

Aacharyaviiay shri Surendrasuriswarji Jain Jatnasvanshala

जो मंत्र व्यक्ति नहीं परंतु...गुण केन्द्रित है ऐसा

नमस्कार महामंत्र के जाप आराधना का फल

मन-वचन-काया की शुद्धि द्वारा नमस्कार मंत्रका....

एक अक्षर का उच्चार...७...सागरोपम का पाप खपावे,

एक पद का उच्चार...५०...सागरोपम का पाप खपावे,

एक पूर्ण मंत्र का उच्चार...५००...सागरोपम का पाप खपावे,

एक लाख मंत्रका उच्चार...तीर्थंकर नामकर्म बंधावे.

नव लाख मंत्रका उच्चार...नरकगति...नि.वा.रे.

जिसके दिल में श्री नवकार,

उसको क्या करेगा पे संसार.

तप का फल दर्शन

पच्चक्खाण करने से	वर्ष के नारकीकी अशाता (वेदना-दुःख) मीट जाता है।
नवकारशी का	सो वर्ष
पोरिसि का	एक हजार वर्ष
साढपोरिसि का	दस हजार वर्ष
पुरिमड्ढ का	एक लाख वर्ष
एकासणा का	दश लाख वर्ष
आयंबिल का	एक हजार क्रोड वर्ष
छट्ठ का	एक लाख क्रोड वर्ष
अट्ठम का	दश लाख क्रोड वर्ष

तप करते करते आणाहारी पद प्राप्त करने की भावना भाव से करनी चाहीये, तभी...तप का फळ ईससे भी अनंत गुणा मील शकता है।

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijayshri Suresharasuri Jain Gatvagyanshala

काल मर्यादा

	उकाला पाणी	सुखडी का काळ	कामळी का काळ
कारतक सुदी - १५ से फागुण सुदी-१४	४ प्रहर	१ मास	४ घडी
फाल्गुन सुदी-१५ से अषाढ सुदी-१४	५ प्रहर	२० दिन	२ घडी
अषाढ सुदी-१४ से कारतक सुदी-१४	३ प्रहर	१५ दिन	६ घडी

१. फाल्गुण सुदी-१४ से कारतक सुदी-१५ तक खजूर, खारेक, जरदालु, काजु, किसमीस, अखरोट, पिस्ता आदि सुका मेवा ड्रायफ्रुटस् वापरना मना है।

२. फाल्गुण चोमासे के बाद ओसाये बिना का तल खपता नहीं है, टोपरे का सुखा गोला वापरना मना है।

३. फाल्गुण सुदी-१५ से कारतक सुदी-१५ (८ महिने) तक भाजीपालो, पातरा, कोथमीर खपता नहीं हैं।

४. चोमासे में आज सुधारा हुवा लीला टोपरा आज ही खपता है दुसरे दिन नहीं खपे।

५. चोमासे में मीठाइ के उपर वहि दिन का फोडा हुआ बादाम खपता है, परंतु दुसरे दिन वो मीढाइ नहीं खपती, मगर घी में शेकी हुइ बादाम डाले तो १५ दिन तक मीठाइ खपती है।

६. आषाढ सुद-१४ से कारतक सुद-१५ तक मीज बादाम बंध होता है। जीस दिन का बादाम फोडा हुआ बादाम वहि दिन खपती है। (तला या घी में शेका हुआ बादाम पंदरा दिन तक खपती है।)

७. आषाढ सुद १४ से आसो सुद १० तक मग अलावा आखा धान (चना, तुवेर, चोळा, वाल, वटाणा, मठ आदि कठोळ) खपता नहीं।

८. आषाढ सुद १४ से आसो सुद १० तक वडी, पापड, खीचीया खपता नहीं।

उपर बताए हुए सुखडी के काळ में कडक फरसाण, मीठाई और आंटा का काळ भी उतने दिन तक का मानना और उससे पहेले भी वह चीजोका वर्ण, गंध, रस, स्पर्श बदल भी जाये तो खपता नहीं...अभक्ष्य बने है।

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijayshri Surendrasuri Jwari Jain Tatvagyanshala

सूतक-विचार

✻ स्वाध्याय कब नहीं करना चाहीए? (स्तुति-स्तवन-सज्झाईआ और संस्कृत पाठ कर सकते है।)

१. मानसिक स्वाध्याय का निषेध कोई भी जगह कीया नहीं है. इसलीए अंतराय, सुवावड आदि में भी मन में नमस्कार महामंत्र का स्मरण, स्वाध्याय और प्रभु का ध्यान आदि कर शकते है।

२. रोजाना सुर्योदय, सूर्यास्त, मध्याह्न और मध्यरात्रि से पहेले और बाद में २४/२४ मिनिट अस्वाध्याय काळ होता है।

३. तीन चौमासी चौदस को मध्याह्न से वदी-१ ढाई दिन और पाक्षिक पक्खीप्रतिक्रमण चौदस को रात्री तक अस्वाध्याय का काळ है।

४. आसो सुदी-५ और चैत्र सुद-५ के मध्याह्न से वद-१ तक १२।। दिन का अस्वाध्याय काळ है।

✻ पूजा कब नहीं होती?

५. पुत्र-पुत्री जन्म से १२ दिन का सूतक, खाना अलग से खाते हो तो दुसरे घर के पाणी से पूजा होती है।

६. जीतने साल का गर्भ गीरे उतने दिनो का सूतक।

७. सुवावड वाली स्त्री १ मास तक दर्शन न करे और ४० दिन पुजा न करे तथा पुत्र जन्म पर ३० दिन और पुत्री जन्म पर ४० दिन साधु-साध्वीजी भगवंत को वहोराना नही और ८ दिन तक अस्वाध्याय, गोत्रीयो को पांच दिन का सूतक।

८. जीस के घर मरण हुआ हो उधर खाने वाले को १२ दिन पूजा नही करना है और साधु-साध्वीजी भगवंत को वहोराना नहीं। गोत्रीओ को ५ दिन का सूतक, दर्शन कर शकते है, प्रतिक्रमणादि मन में करे।

९. मृतकको स्पर्श करनेवाले ३ दिन तक पूजा न करे, वाचिक स्वाध्याय २ दिन न करे, परंपरा से छुआ हो वो १ दिन पूजा न करे, परंपरासे भी न छुअे हो तो स्नान कर के पूजा हो होगी, प्रतिक्रमणादि मन में कर शकते है।

१०. जन्म के दिन ही मरे या देशांतरे मरे तो १ दिनका सूतक पूजा न होगी।

११. स्त्री को ऋतुके ३ दिन तक अस्वाध्याय, ३ दिन प्रतिक्रमण न करे, ३ दिन तक दर्शन न करे, ७ दिन पूजा न करे।

१२. शरीर में परु, लहु, मांस आदि बहार से दिखे या सतत आते रहे तो पूजा न करे।

www.jaintatvagyanshala.org

Acharya vijay shri Surendrasurisvarji Jain Tatvagyanshala

जान्युआरी જાન્યુઆરી JANUARY

दिनांक	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	07-15	08-03	09-50	11-07	12-24	14-59	17-33
2	07-15	08-03	09-50	11-07	12-25	14-59	17-34
3	07-16	08-04	09-50	11-08	12-25	15-00	17-34
4	07-16	08-04	09-51	11-08	12-25	15-00	17-35
5	07-16	08-04	09-51	11-08	12-26	15-01	17-36
6	07-16	08-04	09-51	11-09	12-26	15-01	17-37
7	07-16	08-04	09-52	11-09	12-27	15-02	17-37
8	07-16	08-04	09-52	11-10	12-27	15-03	17-38
9	07-16	08-04	09-52	11-10	12-28	15-03	17-39
10	07-16	08-04	09-52	11-10	12-28	15-04	17-40
11	07-17	08-05	09-52	11-10	12-28	15-04	17-40
12	07-16	08-04	09-53	11-11	12-29	15-05	17-41
13	07-16	08-04	09-53	11-11	12-29	15-06	17-42
14	07-16	08-04	09-53	11-11	12-30	15-06	17-43
15	07-16	08-04	09-53	11-12	12-30	15-07	17-44
16	07-16	08-04	09-53	11-12	12-30	15-07	17-45
17	07-16	08-04	09-53	11-12	12-31	15-08	17-45
18	07-16	08-04	09-53	11-12	12-31	15-09	17-46
19	07-16	08-04	09-54	11-12	12-31	15-09	17-47
20	07-15	08-03	09-54	11-13	12-32	15-10	17-48
21	07-15	08-03	09-54	11-13	12-32	15-10	17-49
22	07-15	08-03	09-54	11-13	12-32	15-11	17-50
23	07-15	08-03	09-54	11-13	12-33	15-11	17-50
24	07-14	08-02	09-54	11-13	12-33	15-12	17-51
25	07-14	08-02	09-54	11-13	12-33	15-13	17-52
26	07-14	08-02	09-53	11-13	12-33	15-13	17-53
27	07-13	08-01	09-53	11-13	12-33	15-14	17-54
28	07-13	08-01	09-53	11-13	12-34	15-14	17-55
29	07-12	08-00	09-53	11-13	12-34	15-15	17-55
30	07-12	08-00	09-53	11-13	12-34	15-15	17-56
31	07-11	07-59	09-53	11-13	12-34	15-16	17-57

'धन' को हमे संभालना पडता है मगर 'धर्म' हमें संभालता है।

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

फेब्रुआरी फेब्रुआरी FEBRUARY

दिनांक	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	07-11	07-59	09-53	11-13	12-34	15-16	17-58
2	07-10	07-58	09-52	11-13	12-34	15-17	17-59
3	07-10	07-58	09-52	11-13	12-35	15-17	17-59
4	07-09	07-57	09-52	11-13	12-35	15-18	18-00
5	07-09	07-57	09-52	11-13	12-35	15-18	18-01
6	07-08	07-56	09-51	11-13	12-35	15-18	18-02
7	07-07	07-55	09-51	11-13	12-35	15-19	18-03
8	07-07	07-55	09-51	11-13	12-35	15-19	18-04
9	07-06	07-54	09-50	11-13	12-35	15-20	18-04
10	07-05	07-53	09-50	11-13	12-35	15-20	18-05
11	07-04	07-52	09-50	11-12	12-35	15-20	18-06
12	07-04	07-52	09-49	11-12	12-35	15-21	18-07
13	07-03	07-51	09-49	11-12	12-35	15-21	18-07
14	07-02	07-50	09-49	11-12	12-35	15-22	18-08
15	07-01	07-49	09-48	11-12	12-35	15-22	18-09
16	07-00	07-48	09-48	11-11	12-35	15-22	18-10
17	07-00	07-48	09-47	11-11	12-35	15-23	18-10
18	06-59	07-47	09-47	11-11	12-35	15-23	18-11
19	06-58	07-46	09-46	11-11	12-35	15-23	18-12
20	06-57	07-45	09-46	11-10	12-35	15-24	18-13
21	06-56	07-44	09-45	11-10	12-35	15-24	18-13
22	06-55	07-43	09-45	11-10	12-34	15-24	18-14
23	06-54	07-42	09-44	11-09	12-34	15-24	18-15
24	06-53	07-41	09-44	11-09	12-34	15-25	18-15
25	06-52	07-40	09-43	11-09	12-34	15-25	18-16
26	06-51	07-39	09-43	11-08	12-34	15-25	18-17
27	06-50	07-38	09-42	11-08	12-34	15-26	18-17
28	06-49	07-37	09-41	11-07	12-34	15-26	18-18

मान पामे वो नहिं मगर...मान का पाचन करे वही सचा महात्मा है।

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

मार्च मार्च MARCH

ता.	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	06-48	07-36	09-41	11-07	12-33	15-26	18-19
2	06-47	07-35	09-40	11-07	12-33	15-26	18-19
3	06-46	07-34	09-40	11-06	12-33	15-26	18-20
4	06-45	07-33	09-39	11-06	12-33	15-27	18-21
5	06-44	07-32	09-38	11-05	12-33	15-27	18-21
6	06-43	07-31	09-38	11-05	12-32	15-27	18-22
7	06-42	07-30	09-37	11-05	12-32	15-27	18-22
8	06-41	07-29	09-36	11-04	12-32	15-27	18-23
9	06-40	07-28	09-36	11-04	12-32	15-28	18-24
10	06-39	07-27	09-35	11-03	12-31	15-28	18-24
11	06-37	07-25	09-34	11-03	12-31	15-28	18-25
12	06-36	07-24	09-34	11-02	12-31	15-28	18-25
13	06-35	07-23	09-33	11-02	12-31	15-28	18-26
14	06-34	07-22	09-32	11-01	12-30	15-28	18-27
15	06-33	07-21	09-31	11-01	12-30	15-29	18-27
16	06-32	07-20	09-31	11-00	12-30	15-29	18-28
17	06-31	07-19	09-30	11-00	12-29	15-29	18-28
18	06-29	07-17	09-29	10-59	12-29	15-29	18-29
19	06-28	07-16	09-29	10-59	12-29	15-29	18-30
20	06-27	07-15	09-28	10-58	12-29	15-29	18-30
21	06-26	07-14	09-27	10-58	12-28	15-29	18-31
22	06-25	07-13	09-26	10-57	12-28	15-30	18-31
23	06-24	07-12	09-26	10-57	12-28	15-30	18-32
24	06-23	07-11	09-25	10-56	12-27	15-30	18-32
25	06-21	07-09	09-24	10-56	12-27	15-30	18-33
26	06-20	07-08	09-24	10-55	12-27	15-30	18-33
27	06-19	07-07	09-23	10-55	12-27	15-30	18-34
28	06-18	07-06	09-22	10-54	12-26	15-30	18-35
29	06-17	07-05	09-21	10-54	12-26	15-30	18-35
30	06-16	07-04	09-21	10-53	12-26	15-31	18-36
31	06-14	07-02	09-20	10-53	12-25	15-31	18-36

जगत में दो महासत्ता कर्मसत्ता और धर्मसत्ता है ।

Aacharyaviijayshri Suryodayasuriijainaradhanaakendra

ઓપ્રીલ એપ્રીલ APRIL

દિનાંક	સૂર્યોદય	નવકારસી	પોરિસી	સાઢ્ઢપોરિસી	પુરિમઢ્ઢ	અવઢ્ઢ	સૂર્યાસ્ત
	ક. મિ.	ક. મિ.	ક. મિ.	ક. મિ.	ક. મિ.	ક. મિ.	ક. મિ.
1	06-13	07-01	09-19	10-52	12-25	15-31	18-37
2	06-12	07-00	09-18	10-52	12-25	15-31	18-37
3	06-11	06-59	09-18	10-51	12-24	15-31	18-38
4	06-10	06-58	09-17	10-51	12-24	15-31	18-38
5	06-09	06-57	09-16	10-50	12-24	15-31	18-39
6	06-08	06-56	09-16	10-50	12-24	15-31	18-39
7	06-07	06-55	09-15	10-49	12-23	15-32	18-40
8	06-05	06-53	09-14	10-49	12-23	15-32	18-41
9	06-04	06-52	09-14	10-48	12-23	15-32	18-41
10	06-03	06-51	09-13	10-48	12-22	15-32	18-42
11	06-02	06-50	09-12	10-47	12-22	15-32	18-42
12	06-01	06-49	09-11	10-47	12-22	15-32	18-43
13	06-00	06-48	09-11	10-46	12-22	15-32	18-43
14	05-59	06-47	09-10	10-46	12-21	15-33	18-44
15	05-58	06-46	09-10	10-45	12-21	15-33	18-44
16	05-57	06-45	09-09	10-45	12-21	15-33	18-45
17	05-56	06-44	09-08	10-44	12-21	15-33	18-46
18	05-55	06-43	09-08	10-44	12-20	15-33	18-46
19	05-54	06-42	09-07	10-44	12-20	15-33	18-47
20	05-53	06-41	09-06	10-43	12-20	15-34	18-47
21	05-52	06-40	09-06	10-43	12-20	15-34	18-48
22	05-51	06-39	09-05	10-42	12-20	15-34	18-48
23	05-50	06-38	09-05	10-42	12-19	15-34	18-49
24	05-49	06-37	09-04	10-42	12-19	15-34	18-49
25	05-48	06-36	09-03	10-41	12-19	15-35	18-50
26	05-47	06-35	09-03	10-41	12-19	15-35	18-51
27	05-46	06-34	09-02	10-41	12-19	15-35	18-51
28	05-45	06-33	09-02	10-40	12-18	15-35	18-52
29	05-44	06-32	09-01	10-40	12-18	15-35	18-52
30	05-43	06-31	09-01	10-40	12-18	15-36	18-53

खराब काम करते हाथ और खराब विचार करते हृदयं कांपता है क्युं ?

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

'લોગસ્સ સવ્વલોગંમિ' ચોવીસ નામ કાર્યોત્સર્ગ સૂત્ર છે.

મે							MAY
દિનાંક	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	05-43	06-31	09-00	10-39	12-18	15-36	18-54
2	05-42	06-30	09-00	10-39	12-18	15-36	18-54
3	05-41	06-29	08-59	10-39	12-18	15-36	18-55
4	05-40	06-28	08-59	10-38	12-18	15-37	18-55
5	05-39	06-27	08-58	10-38	12-18	15-37	18-56
6	05-39	06-27	08-58	10-38	12-18	15-37	18-57
7	05-38	06-26	08-58	10-38	12-17	15-37	18-57
8	05-37	06-25	08-57	10-37	12-17	15-38	18-58
9	05-36	06-24	08-57	10-37	12-17	15-38	18-58
10	05-36	06-24	08-56	10-37	12-17	15-38	18-59
11	05-35	06-23	08-56	10-37	12-17	15-38	19-00
12	05-34	06-22	08-56	10-37	12-17	15-39	19-00
13	05-34	06-22	08-55	10-36	12-17	15-39	19-01
14	05-33	06-21	08-55	10-36	12-17	15-39	19-01
15	05-33	06-21	08-55	10-36	12-17	15-40	19-02
16	05-32	06-20	08-55	10-36	12-17	15-40	19-02
17	05-31	06-19	08-54	10-36	12-17	15-40	19-03
18	05-31	06-19	08-54	10-36	12-17	15-40	19-04
19	05-30	06-18	08-54	10-36	12-17	15-41	19-04
20	05-30	06-18	08-54	10-35	12-17	15-41	19-05
21	05-29	06-17	08-53	10-35	12-17	15-41	19-05
22	05-29	06-17	08-53	10-35	12-17	15-42	19-06
23	05-28	06-16	08-53	10-35	12-18	15-42	19-07
24	05-28	06-16	08-53	10-35	12-18	15-42	19-07
25	05-28	06-16	08-53	10-35	12-18	15-43	19-08
26	05-27	06-15	08-53	10-35	12-18	15-43	19-08
27	05-27	06-15	08-52	10-35	12-18	15-43	19-09
28	05-27	06-15	08-52	10-35	12-18	15-44	19-09
29	05-26	06-14	08-52	10-35	12-18	15-44	19-10
30	05-26	06-14	08-52	10-35	12-18	15-44	19-10
31	05-26	06-14	08-52	10-35	12-18	15-45	19-11

मणभरकी चर्चा से...कणभर का आचरण श्रेष्ठ है।

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

મનને સતત સુગંધી રાખવા માટેનુ મજાનુ અત્તર છે સ્વાધ્યાય

જુન June

दिनांक	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	05-26	06-14	08-52	10-35	12-19	15-45	19-11
2	05-25	06-13	08-52	10-35	12-19	15-45	19-12
3	05-25	06-13	08-52	10-35	12-19	15-46	19-12
4	05-25	06-13	08-52	10-36	12-19	15-46	19-13
5	05-25	06-13	08-52	10-36	12-19	15-46	19-13
6	05-25	06-13	08-52	10-36	12-19	15-47	19-14
7	05-25	06-13	08-52	10-36	12-20	15-47	19-14
8	05-25	06-13	08-52	10-36	12-20	15-47	19-15
9	05-25	06-13	08-52	10-36	12-20	15-48	19-15
10	05-25	06-13	08-52	10-36	12-20	15-48	19-16
11	05-25	06-13	08-52	10-36	12-20	15-48	19-16
12	05-25	06-13	08-53	10-37	12-21	15-48	19-16
13	05-25	06-13	08-53	10-37	12-21	15-49	19-17
14	05-25	06-13	08-53	10-37	12-21	15-49	19-17
15	05-25	06-13	08-53	10-37	12-21	15-49	19-17
16	05-25	06-13	08-53	10-37	12-21	15-50	19-18
17	05-25	06-13	08-53	10-37	12-22	15-50	19-18
18	05-25	06-13	08-53	10-38	12-22	15-50	19-18
19	05-25	06-13	08-54	10-38	12-22	15-50	19-19
20	05-26	06-14	08-54	10-38	12-22	15-51	19-19
21	05-26	06-14	08-54	10-38	12-22	15-51	19-19
22	05-26	06-14	08-54	10-38	12-23	15-51	19-19
23	05-26	06-14	08-55	10-39	12-23	15-51	19-20
24	05-26	06-14	08-55	10-39	12-23	15-51	19-20
25	05-27	06-15	08-55	10-39	12-23	15-52	19-20
26	05-27	06-15	08-55	10-39	12-24	15-52	19-20
27	05-27	06-15	08-55	10-40	12-24	15-52	19-20
28	05-28	06-16	08-56	10-40	12-24	15-52	19-20
29	05-28	06-16	08-56	10-40	12-24	15-52	19-20
30	05-28	06-16	08-56	10-40	12-24	15-52	19-20

स्वाध्याय योग के दो बडे शत्रु निंदारस-निद्रारस

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

जुलाई જુલાઈ JULY

दिनांक	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	05-29	06-17	08-57	10-41	12-25	15-53	19-21
2	05-29	06-17	08-57	10-41	12-25	15-53	19-21
3	05-29	16-17	08-57	10-41	12-25	15-53	19-21
4	05-30	16-18	08-57	10-41	12-25	15-53	19-21
5	05-30	06-18	08-58	10-42	12-25	15-53	19-20
6	05-31	06-19	08-58	10-42	12-25	15-53	19-20
7	05-31	06-19	08-58	10-42	12-26	15-53	19-20
8	05-31	06-19	08-59	10-42	12-26	15-53	19-20
9	05-32	06-20	08-59	10-42	12-26	15-53	19-20
10	05-32	06-20	08-59	10-43	12-26	15-53	19-20
11	05-33	06-21	09-00	10-43	12-26	15-53	19-20
12	05-33	06-21	09-00	10-43	12-26	15-53	19-20
13	05-34	06-22	09-00	10-43	12-27	15-53	19-19
14	05-34	06-22	09-00	10-44	12-27	15-53	19-19
15	05-35	06-23	09-01	10-44	12-27	15-53	19-19
16	05-35	06-23	09-01	10-44	12-27	15-53	19-18
17	05-36	06-24	09-01	10-44	12-27	15-53	19-18
18	05-36	06-24	09-02	10-44	12-27	15-52	19-18
19	05-37	06-25	09-02	10-45	12-27	15-52	19-17
20	05-37	06-25	09-02	10-45	12-27	15-52	19-17
21	05-38	06-26	09-03	10-45	12-27	15-52	19-17
22	05-38	06-26	09-03	10-45	12-27	15-52	19-16
23	05-39	06-27	09-03	10-45	12-27	15-52	19-16
24	05-39	06-27	09-03	10-45	12-27	15-51	19-15
25	05-40	06-28	09-04	10-46	12-27	15-51	19-15
26	05-41	06-29	09-04	10-46	12-27	15-51	19-14
27	05-41	06-29	09-04	10-46	12-27	15-51	19-14
28	05-42	06-30	09-05	10-46	12-27	15-50	19-13
29	05-42	06-30	09-05	10-46	12-27	15-50	19-13
30	05-43	06-31	09-05	10-46	12-27	15-50	19-12
31	05-43	06-31	09-05	10-46	12-27	15-49	19-11

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

નિંદા કરનાર પર ક્રોધ ન કરજો, માનજો નિંદા તમારા પાપ ધૂવે છે.

ऑगस्ट ઓગસ્ટ AUGUST

तारीख	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
दिनांक	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	05-44	06-32	09-06	10-46	12-27	15-49	19-11
2	05-44	06-32	09-06	10-46	12-27	15-49	19-10
3	05-45	06-33	09-06	10-47	12-27	15-48	19-09
4	05-46	06-34	09-06	10-47	12-27	15-48	19-09
5	05-46	06-34	09-07	10-47	12-27	15-47	19-08
6	05-47	06-35	09-07	10-47	12-27	15-47	19-07
7	05-47	06-35	09-07	10-47	12-27	15-47	19-06
8	05-48	06-36	09-07	10-47	12-27	15-46	19-06
9	05-48	06-36	09-07	10-47	12-26	15-46	19-05
10	05-49	06-37	09-08	10-47	12-26	15-45	19-04
11	05-49	06-37	09-08	10-47	12-26	15-45	19-03
12	05-50	06-38	09-08	10-47	12-26	15-44	19-02
13	05-50	06-38	09-08	10-47	12-26	15-44	19-01
14	05-51	06-39	09-08	10-47	12-26	15-43	19-00
15	05-52	06-40	09-09	10-47	12-26	15-43	19-00
16	05-52	06-40	09-09	10-47	12-25	15-42	18-59
17	05-53	06-41	09-09	10-47	12-25	15-41	18-59
18	05-53	06-41	09-09	10-47	12-25	15-41	18-57
19	05-54	06-42	09-09	10-47	12-25	15-40	18-56
20	05-54	06-42	09-09	10-47	12-24	15-40	18-55
21	05-55	06-43	09-09	10-47	12-24	15-39	18-54
22	05-55	06-43	09-10	10-47	12-24	15-38	18-53
23	05-56	06-44	09-10	10-47	12-24	15-38	18-52
24	05-56	06-44	09-10	10-47	12-23	15-37	18-51
25	05-57	06-45	09-10	10-47	12-23	15-36	18-50
26	05-57	06-45	09-10	10-46	12-23	15-36	18-49
27	05-58	06-46	09-10	10-46	12-23	15-35	18-48
28	05-58	06-46	09-10	10-46	12-22	15-34	18-47
29	05-59	06-47	09-10	10-46	12-22	15-34	18-45
30	05-59	06-47	09-10	10-46	12-22	15-33	18-44
31	06-00	06-48	09-11	10-46	12-21	15-32	18-43

'सादा' जिवन जीनेवाला...'साधु' जिवन सहजतासे जी पाये।

www.jaintatvagyanshala.org

સપ્ટેમ્બર सप्टेम्बर SEPTEMBER

દિનાંક	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	06-00	06-48	09-11	10-46	12-21	15-32	18-42
2	06-01	06-49	09-11	10-46	12-21	15-31	18-41
3	06-01	06-49	09-11	10-46	12-21	15-30	18-40
4	06-02	06-50	09-11	10-46	12-20	15-29	18-39
5	06-02	06-50	09-11	10-45	12-20	15-29	18-38
6	06-03	06-51	09-11	10-45	12-20	15-28	18-36
7	06-03	06-51	09-11	10-45	12-19	15-27	18-35
8	06-04	06-52	09-11	10-45	12-19	15-26	18-34
9	06-04	06-52	09-11	10-45	12-18	15-26	18-33
10	06-05	06-53	09-11	10-45	12-18	15-25	18-32
11	06-05	06-53	09-11	10-45	12-18	15-24	18-31
12	06-05	06-53	09-11	10-44	12-17	15-23	18-29
13	06-06	06-54	09-12	10-44	12-17	15-23	18-28
14	06-06	06-54	09-12	10-44	12-17	15-22	18-27
15	06-07	06-55	09-12	10-44	12-16	15-21	18-26
16	06-07	06-55	09-12	10-44	12-16	15-20	18-25
17	06-08	06-56	09-12	10-44	12-16	15-20	18-23
18	06-08	06-56	09-12	10-44	12-15	15-19	18-22
19	06-09	06-57	09-12	10-43	12-15	15-18	18-21
20	06-09	06-57	09-12	10-43	12-15	15-17	18-20
21	06-10	06-58	09-12	10-43	12-14	15-16	18-19
22	06-10	06-58	09-12	10-43	12-14	15-16	18-17
23	06-11	06-59	09-12	10-43	12-14	15-15	18-16
24	06-11	06-59	09-12	10-43	12-13	15-14	18-15
25	06-12	07-00	09-12	10-43	12-13	15-13	18-14
26	06-12	07-00	09-12	10-42	12-12	15-13	18-13
27	06-13	07-01	09-12	10-42	12-12	15-12	18-12
28	06-13	07-01	09-13	10-42	12-12	15-11	18-10
29	06-14	07-02	09-13	10-42	12-11	15-10	18-09
30	06-14	07-02	09-13	10-42	12-11	15-10	18-08

संसारी दु:खका अंत ढुंढता है बलकी संत दु:खका कारण ढुंढता है।

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

ओक्टोबर ઓક્ટોબર OCTOBER

ઓક્ટોબર તારીખ	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	06-15	07-03	09-13	10-42	12-11	15-09	18-07
2	06-15	07-03	09-13	10-42	12-10	15-08	18-06
3	06-16	07-04	09-13	10-42	12-10	15-07	18-04
4	06-16	07-04	09-13	10-42	12-10	15-07	18-03
5	06-17	07-05	09-13	10-41	12-10	15-06	18-02
6	06-18	07-06	09-13	10-41	12-09	15-05	18-01
7	06-18	07-06	09-14	10-41	12-09	15-04	18-00
8	06-19	07-07	09-14	10-41	12-09	15-04	17-59
9	06-19	07-07	09-14	10-41	12-08	15-03	17-58
10	06-20	07-08	09-14	10-41	12-08	15-02	17-57
11	06-20	07-08	09-14	10-41	12-08	15-02	17-55
12	06-21	07-09	09-14	10-41	12-08	15-01	17-54
13	06-21	07-09	09-14	10-41	12-07	15-00	17-53
14	06-22	07-10	09-15	10-41	12-07	15-00	17-52
15	06-23	07-11	09-15	10-41	12-07	14-59	17-51
16	06-23	07-11	09-15	10-41	12-07	14-58	17-50
17	06-24	07-12	09-15	10-41	12-06	14-58	17-49
18	06-24	07-12	09-15	10-41	12-06	14-57	17-48
19	06-25	07-13	09-16	10-41	12-06	14-57	17-47
20	06-26	07-14	09-16	10-41	12-06	14-56	17-46
21	06-26	07-14	09-16	10-41	12-06	14-55	17-45
22	06-27	07-15	09-16	10-41	12-05	14-55	17-44
23	06-28	07-16	09-16	10-41	12-05	14-54	17-43
24	06-28	07-16	09-17	10-41	12-05	14-54	17-42
25	06-29	07-17	09-17	10-41	12-05	14-53	17-41
26	06-30	07-18	09-17	10-41	12-05	14-53	17-40
27	06-30	07-18	09-18	10-41	12-05	14-52	17-39
28	06-31	07-19	09-18	10-41	12-05	14-52	17-39
29	06-32	07-20	09-18	10-41	12-05	14-51	17-38
30	06-32	07-20	09-18	10-42	12-05	14-51	17-37
31	06-33	07-21	09-19	10-42	12-05	14-50	17-36

संसार ऊपर से मन उठ जाये उसी का मोक्ष बुकींग होता है।

www.jaintatvagyanshala.org

Adhyatma Vidya Shodh Sansthan, Jain Tattvadarshan

सायो श्रावक साधा धर्म राखीये धर्मने भणो, धर्मनी वातो नहीं.

नवेम्बर — નવેમ્બર — NOVEMBER

ता.	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्डपोरिसी	पुरिमड्ड	अवड्ड	सूर्यास्त
दिन	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	06-34	07-22	09-19	10-42	12-04	14-50	17-35
2	06-34	07-22	09-19	10-42	12-04	14-49	17-34
3	06-35	07-23	09-20	10-42	12-04	14-49	17-34
4	06-36	07-24	09-20	10-42	12-04	14-49	17-33
5	06-37	07-25	09-21	10-43	12-04	14-48	17-32
6	06-37	07-25	09-21	10-43	12-04	14-48	17-32
7	06-38	07-26	09-21	10-43	12-05	14-48	17-31
8	06-39	07-27	09-22	10-43	12-05	14-47	17-30
9	06-40	07-28	09-22	10-43	12-05	14-47	17-30
10	06-40	07-28	09-23	10-44	12-05	14-47	17-29
11	06-41	07-29	09-23	10-44	12-05	14-47	17-28
12	06-42	07-30	09-23	10-44	12-05	14-46	17-28
13	06-43	07-31	09-24	10-44	12-05	14-46	17-27
14	06-44	07-32	09-24	10-45	12-05	14-46	17-27
15	06-44	07-32	09-25	10-45	12-05	14-46	17-26
16	06-45	07-33	09-25	10-45	12-06	14-46	17-26
17	06-46	07-34	09-26	10-46	12-06	14-46	17-25
18	06-47	07-35	09-26	10-46	12-06	14-45	17-25
19	06-48	07-36	09-27	10-46	12-06	14-45	17-25
20	06-48	07-36	09-27	10-47	12-06	14-45	17-24
21	06-49	07-37	09-28	10-47	12-07	14-45	17-24
22	06-50	07-38	09-28	10-48	12-07	14-45	17-24
23	06-51	07-39	09-29	10-48	12-07	14-45	17-23
24	06-52	07-40	09-29	10-48	12-07	14-45	17-23
25	06-52	07-40	09-30	10-49	12-08	14-45	17-23
26	06-53	07-41	09-31	10-49	12-08	14-45	17-23
27	06-54	07-42	09-31	10-50	12-08	14-45	17-22
28	06-55	07-43	09-32	10-50	12-09	14-45	17-22
29	06-56	07-44	09-32	10-51	12-09	14-46	17-22
30	06-56	07-44	09-33	10-51	12-09	14-46	17-22

रोग कम करें वो दवाई और दोष कम करे वो धर्म

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

ડિસેમ્બર डिसेम्बर DECEMBER

ક્રમાંક	सूर्योदय	नवकारसी	पोरिसी	साड्ढपोरिसी	पुरिमड्ढ	अवड्ढ	सूर्यास्त
दिनांक	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.	क. मि.
1	06-57	07-45	09-33	10-51	12-10	14-46	17-22
2	06-58	07-46	09-34	10-52	12-10	14-46	17-22
3	06-59	07-47	09-34	10-52	12-10	14-46	17-22
4	06-59	07-47	09-35	10-53	12-11	14-46	17-22
5	07-00	07-48	09-36	10-53	12-11	14-47	17-22
6	07-01	07-49	09-36	10-54	12-12	14-47	17-22
7	07-02	07-50	09-37	10-54	12-12	14-47	17-22
8	07-02	07-50	09-37	10-55	12-12	14-47	17-22
9	07-03	07-51	09-38	10-55	12-13	14-48	17-23
10	07-04	07-52	09-39	10-56	12-13	14-48	17-23
11	07-04	07-52	09-39	10-56	12-14	14-48	17-23
12	07-05	07-53	09-40	10-57	12-14	14-49	17-23
13	07-06	07-54	09-40	10-57	12-15	14-49	17-24
14	07-06	07-54	09-41	10-58	12-15	14-49	17-24
15	07-07	07-55	09-41	10-58	12-16	14-50	17-24
16	07-08	07-56	09-42	10-59	12-16	14-50	17-24
17	07-08	07-56	09-42	11-00	12-17	14-51	17-25
18	07-09	07-57	09-43	11-00	12-17	14-51	17-25
19	07-09	07-57	09-44	11-01	12-18	14-52	17-26
20	07-10	07-58	09-44	11-01	12-18	14-52	17-26
21	07-11	07-59	09-45	11-02	12-19	14-53	17-27
22	07-11	07-59	09-45	11-02	12-19	14-53	17-27
23	07-12	08-00	09-46	11-03	12-20	14-54	17-27
24	07-12	08-00	09-46	11-03	12-20	14-54	17-28
25	07-12	08-00	09-47	11-04	12-21	14-55	17-29
26	07-13	08-01	09-47	11-04	12-21	14-55	17-29
27	07-13	08-01	09-47	11-04	12-22	14-56	17-30
28	07-14	08-02	09-48	11-05	12-22	14-56	17-30
29	07-14	08-02	09-48	11-05	12-22	14-57	17-31
30	07-14	08-02	09-49	11-06	12-23	14-57	17-32
31	07-15	08-03	09-49	11-06	12-23	14-58	17-32

Aacharya vijay shri Sushil Suri Jain Gyanshala

दिल्ली व आस-पास के प्रमुख जैन श्वेताम्बर मन्दिर

* श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  एफ-१, मान सरोवर गार्डन, शोपिंग काम्पलेक्स,
  नई दिल्ली-११० ०१५ फोन : २५१५ ३०३३
* इन्द्रप्रस्थतीर्थ श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  १९९७, नौधरा, किनारी बाजार, चांदनी चौक,
  दिल्ली-११० ००६, फोन : ०११-२३२७०४८९
* इन्द्रप्रस्थतीर्थ श्री संभवर्ना जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  २८७५, चेलपुरी, किनार बाजार, चांदनी चौक,
  दिल्ली-११० ००६. फोन : ०११-२३२७ ०४८९
* श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर
  चीराखाना, मालीवाड़ा, दिल्ली-११० ००६ फोन : २३२४ २०३१
* श्री आदिनाथ अहर्द जैन मन्दिर (आ.सुशील मुनि आश्रम)
  सी-५९९, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली-११० ०२४
  फोन : २४३३ ५५६०, २४३३ ७५९९, २४३३ ५६६१
* प्राचीन श्री नेमिनाथ जैन मन्दिर छोटी दादावाडी
  श्री जिन कुशल सूरि खतरगच्छ दादावाडी
  आर-ब्लाक, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-२ (अंसलप्लाजा के
  सामने), नई दिल्ली-११० ०४९ फोन : २६२५४८७९, २६२५५७२८

www.jaintatvagyanshala.org

Acharya Vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

* आदिश्वर जैन मन्दिर एवं बड़ी दादावाड़ी
  महरौली, नई दिल्ली-११० ०३०
  फोन : २६६४ २६४०, २६६४ ४९४१
* श्री पार्श्व-पद्मावती जिनालय
  महाबलीपुरम, गांव भाटी, कतरपुर भाटी माइन्सरोड,
  महारौली क्षेत्र, नई दिल्ली-११० ०७४
  फोन : २६६७ २८२२
* श्री पार्श्वनाथ जिनालय
  प्लाट नं.आर-१, सी/२, वसंत कुंज, वसंत वाटिका के सामने,
  डी.पी.एस. एवं वसंत वैली स्कूल के मध्य, नई दिल्ली-७०
  फोन : ९३१३७ ६१०००, ९९११० ७२०००
* श्री शान्तिनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  २/८२, रुप नगर, दिल्ली-११० ००७, फोन : २३८४ ०१३५
* श्री कल्याण पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  गुजरात अपार्टमेन्टे, पीतमपुरा, दिल्ली-११० ०३४
  फोन : २७०३ २३१८, ९८१०१ ८९६३२ (कीर्ति भाई)
* ॐ विमलानाथ जैन श्वे. मन्दिर
  काकाजी लेन, अशोक विहार, फेस-३, दिल्ली-११००५२
  फोन : ६७९२६६५९, २७४१ ९६४१

www.jaintatvagyanshala.org

Jain Education International For Personal & Private Use Only www.jainelibrary.org Jain Tatvagyanshala

* भगवान वासुपूज्य जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  प्लोट नं.१४, सेक्टर-१३, वल्लण विहार, रोहिणी,
  दिल्ली-११० ०८५, फोन : २७५६ १४४५
* श्री सीमंधर स्वामी जैन मन्दिर
  श्री महाविदेह क्षेत्रम्, नीलवाल रोड़, घेवरा मोड़, नागलोई,
  दिल्ली-११० ०४१ फोन-२८३५ १०४३, ६५८१ १००६
* श्री वासुपूज्य जैन श्वे. मन्दिर व वल्लभ स्मारक
  २० वां किमी, जी. टी. करनाल रोड़, पो. ओ. आलीपुर,
  दिल्ली-३६ फोन : २७२० २२२५, २७२० ४३३६, २७२० ६५७८
* श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  बी-९, पंचशील गार्डन, नवीन शाहदरा, दिल्ली-३२
  फोन : २२८२ ५०८८
* श्री कुन्थुनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  गुजरात विहार, विकास मार्ग,
  दिल्ली-११० ०९२ फोन : २२५४ ४३९५
* श्री संभवनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  बी-६६, विवेक विहार, फेस-II, दिल्ली-११० ०९५
  फोन : ३२९९ ९१४५, २२१६ ७७३०
* श्री अमीझरा शान्तिनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ
  अरबन एस्टेट, सैक्टर-४, गुड़गांव (हरियाणा),
  फोन : ०१२४-२२५३०६४, ९८९१४ ६५५२५

www.jaintatvagyanshala.org

Acharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

* श्री महावीरस्वामी जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  सैक्टर-१६, ट्यूबेल नं.५ के पास, फरिदाबाद-१२१ ००२
  फोन : ०१२९-२२९ ७१७५, ९८११० ६५०६१
* श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर
  मनोहर टाकीज के पीछे, नसरतपुरा,
  गाजियबाद (उ.प्र.)
* श्री हस्तिनापुर जैन श्वेताम्बर तीर्थ
  हस्तिनापुर - २५० ४०४ जिला-मेरठ (उ.प्र.)
  फोन : ०१२३३-२८० १४०
  दिल्ली का.: २/८२, रुपनगर, दिल्ली-७, फोन : २३८४ ०१३५
* चिन्तामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ
  भूपतवाला, ऋषिकेश राज, मार्ग, हरिद्वार (उत्तरांचल)
  फोन : ०१३३४-२६० २६३, २६० ०७३
* श्री सुविधिनाथ जैन मंदिर (गृहजिनालय)
  भंवरलाल दोशी
  जीबी/२२, शीवाजी एन्कलेव, राजा गार्डन, न्यू.दिल्ली,
  फोन : ९८१०१ २८४०१ (घर) ०११-२५१६ १९१०

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

आदमी अपने दुःखों से उतना दुःखी नहीं होता,
जितना दूसरों के सुखों को देखकर होता है।

वाणी पर संयम करने से मन पर अधिकार हो जाता है,
मन पर संयम करने से जीवन पर।

भूतकाल की स्मृतियों और भविष्य की चिंन्ताओं के बीच
मनुष्य अपना वर्तमान नष्ट कर देता है।

क्रोध की आग फायर ब्रिगेड या हिमालय के पानी से
नहीं बल्कि समता के जल से ही शांत हो सकती है।

सिर्फ अच्छा अध्ययन किया काम नहीं आता,
जीवन-व्यवहार में उतारा हुआ काम आएगा।

श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मन्दिर
एफ-१, मान सरोवर गार्डन, शोपिंग काम्पलेक्स,
नई दिल्ली-११० ०१५ फोन : २५१५ ३०३३

www.jaintatvagyanshala.org

Aacharya vijay shri Surendrasuriswarji Jain Tatvagyanshala

अपने जैन पर्व

१. कारतक सुद-१ : नूतन वर्षारंभ-गौतमस्वामि केवलज्ञान

२. कारतक सुद-५ : ज्ञानपंचमी

३. कारतक सुद-१४ : चौमासी चौदस

४. कारतक सुद-१५ : चातुर्मास परिवर्तन-शत्रुंजय महायात्रा

५. मृगशीर्ष सुद-११ : मौन एकादशी

६. मृगशीर्ष वदी-९-१०-११ : पोशदशमी की आराधना

७. पोष वदी-१३ : मेरु तेरस (ऋषभदेव निर्वाण)

८. फाल्गुन सुद-१३ : श्री सिद्धाचलजी प्रदक्षिणा

९. फाल्गुन वद-१४ : चौमासी चौदश

१०. फाल्गुन वद-८ : वर्षीतप प्रारंभ

११. वैशाख सुद-३ : अक्षय तृतिया वर्षीतप पारणा

१२. वैशाख सुद-१० : महावीरप्रभू का केवलज्ञान कल्याणक

१३. वैशाख सुद-११ : शासन स्थापना दिन

१४. आषाढ सुद-१४ : चौमासी चौदश

१५. श्रावण सुद-१२ से भादरवा सुद-४ : पर्युषण महापर्व

१६. चैत्र सुद-७ से चैत्र सुद-१५ : आयंबिल की ओली

१७. आसम सुद-७ से आसो सुद-१५ : आयंबिल की ओली

१८. आसो वद-०)) महावीरस्वामी निर्वाण : दीपावली

www.jaintatvagyanshala.org

Matiksha
M.: 9820715236